आर्थिक मामलों की मंत्रिमण्डलीय समिति (सीसीईए)

कैबिनेट ने विपणन सीजन 2026-27 के लिए खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को मंजूरी दी

प्रविष्टि तिथि: 13 MAY 2026 3:23PM by PIB Delhi

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडल समिति (सीसीईए) ने विपणन सीजन 2026-27 के लिए 14 खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि को मंजूरी दे दी है।

सरकार ने वर्ष 2026-27 के विपणन सीजन के लिए खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि की है, ताकि किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य मिल सके। पिछले वर्ष की तुलना में एमएसपी में सबसे अधिक वृद्धि सूरजमुखी के बीज (622 रुपये प्रति क्विंटल), उसके बाद कपास (557 रुपये प्रति क्विंटल), नाइजरसीड (515 रुपये प्रति क्विंटल) और तिल (500 रुपये प्रति क्विंटल) के लिए संस्तुति की गई है।

विपणन सीजन 2026-27 के लिए सभी खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य:

(रुपये प्रति क्विंटल)

क्र.सं.	**फसल**		**एमएसपी 2026-27**	लागत* केएमएस 2026-27	लागत पर मार्जिन (%)	एमएसपी		एमएस एमएसपी में 2026-27 में वृद्धि	
	अनाज					2025-26	2013-14	2025-26 के दौरान	2013-14 के दौरान
1.	धान	सामान्य	**2441**	1627	50	2369	1310	72	1131 (86%)
		ग्रेड ए^	**2461**	-	-	2389	1345	72	1116 (83%)

2.	ज्वार	हाइब्रिड	**4023**	2682	50	3699	1500	324	2523 (168%)
		मालदंडी ^	**4073**	-	-	3749	1520	324	2553 (168%)
3.	बाजरा		**2900**	1858	56	2775	1250	125	1650 (132%)
4.	रागी		**5205**	3470	50	4886	1500	319	3705 (247%)
5.	मक्का		**2410**	1544	56	2400	1310	10	1100 (84%)
	दलहन								
6.	तुर / अरहर		**8450**	5496	54	8000	4300	450	4150 (97%)
7.	मूंग		**8780**	5438	61	8768	4500	12	4280 (95%)

8.	उरद	**8200**	5418	51	7800	4300	400	3900 (91%)
	तिलहन							
9.	मूंगफली	**7517**	5011	50	7263	4000	254	3517 (88%)
10.	सूरजमुखी के बीज	**8343**	5562	50	7721	3700	622	4643 (125%)

11।	पीली सोयाबीन		**5708**	3805	50	5328	2560	380	3148 (123%)
12.	तिल		**10346**	6897	50	9846	4500	500	5846 (130%)
13.	नाइजरसीड		**10052**	6701	50	9537	3500	515	6552 (187%)
	व्यावसायिक								
14.	कपास	(मध्यम रेशा)	**8267**	5511	50	7710	3700	557	4567 (123%)
		(लंबा रेशा) ^	**8667**	-	-	8110	4000	557	4667 (117%)

*इसमें सभी भुगतान की गई लागतें शामिल हैं, जैसे कि किराए पर लिए गए मानव श्रम, बैल श्रम/मशीन श्रम, पट्टे पर ली गई भूमि के लिए भुगतान किया गया किराया, बीज, उर्वरक, खाद जैसे कच्चे माल के उपयोग पर होने वाले खर्च, सिंचाई शुल्क, औजारों और कृषि भवनों पर मूल्यह्रास, कार्यशील पूंजी पर ब्याज, पंप सेट के संचालन के लिए डीजल/बिजली आदि, विविध खर्च और पारिवारिक श्रम का अनुमानित मूल्य।

धान (ग्रेड ए), ज्वार (मालदंडी) और कपास (लंबे रेशे वाली) के लिए लागत डेटा अलग से संकलित नहीं किया गया है।

विपणन सत्र 2026-27 के लिए खरीफ फसलों के एमएसपी में वृद्धि केंद्रीय बजट 2018-19 में एमएसपी को अखिल भारतीय भारित औसत उत्पादन लागत के कम से कम 1.5 गुना पर निर्धारित करने की घोषणा के अनुरूप है। किसानों को उत्पादन लागत पर मिलने वाला अपेक्षित लाभ मूंग (61 प्रतिशत) में सबसे अधिक (इसके बाद बाजरा (56 प्रतिशत), मक्का (56 प्रतिशत) और अरहर (54 प्रतिशत) में होगा। शेष फसलों के लिए, किसानों को उत्पादन लागत पर मिलने वाला लाभ 50 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

हाल के वर्षों में, सरकार फसलों के लिए उच्च एमएसपी की पेशकश करके अनाज के अलावा अन्य फसलों जैसे दलहन और तिलहन तथा पोषक अनाज/श्री अन्न की खेती को बढ़ावा दे रही है।

2014-15 से 2025-26 की अवधि के दौरान धान की खरीद 8418 लाख मीट्रिक टन थी, जबकि 2004-05 से 2013-14 की अवधि के दौरान धान की खरीद 4590 लाख मीट्रिक टन थी।

2014-15 से 2025-26 की अवधि के दौरान, 14 खरीफ फसलों की खरीद 8746 लाख मीट्रिक टन थी, जबकि 2004-05 से 2013-14 की अवधि के दौरान, खरीद 4679 लाख मीट्रिक टन थी।

2014-15 से 2025-26 की अवधि के दौरान धान उत्पादक किसानों को भुगतान की गई एमएसपी राशि 16.08 लाख करोड़ रुपये थी, जबकि 2004-05 से 2013-14 की अवधि के दौरान किसानों को भुगतान की गई राशि 4.44 लाख करोड़ रुपये थी।

2014-15 से 2025-26 की अवधि के दौरान, 14 खरीफ फसलों की खेती करने वाले किसानों को भुगतान की गई एमएसपी राशि 18.99 लाख करोड़ रुपये थी, जबकि 2004-05 से 2013-14 की अवधि के दौरान किसानों को भुगतान की गई एमएसपी राशि 4.75 लाख करोड़ रुपये थी।

****

पीके/केसी/एसकेएस/केएस

(रिलीज़ आईडी: 2260659) आगंतुक पटल : 16689
इस विज्ञप्ति को इन भाषाओं में पढ़ें: Tamil , Marathi , Kannada , Malayalam , Bengali , Bengali-TR , Assamese , Odia , English , Urdu , Manipuri , Punjabi , Gujarati , Telugu

Share

690 words | 3 min read